तापमान

अधिकतम 29.1 डिग्री
न्यूनतम 10.3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

12 रिंग रोड से खेतों में रास्ता देने को लेकर बनी सहमति ..

12 पीएम श्री स्कूल उगाला में आयोजित हुआ वार्षिक ..

यमुनानगर। गांव पलाका में पोल्ट्री फार्म बनाए जाने के विरोध में धरना प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

युवक से हड़पे 82 लाख रुपये

यमुनानगर। शहर के मॉडल टाउन में मकान बेचने के नाम पर मॉडल टाउन निवासी गौरव दत्ता से 82 लाख रुपये हड़प लिए गए। आरोप जिला भिवानी के बहनान के गांव लेगान निवासी उर्मिला देवी व राजवीर सिंह पर लगा है । आरोप है कि आरोपियों ने पैसे लेने के बाद भी मकान की रजिस्ट्री उनके नाम नहीं करवाई। आरोपियों ने जो चेक उन्हें दिया वह भी बाउंस हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी।

कम्युनिटी सेंटर में चौकीदार ने फंदा लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

सेक्टर 8 के कम्युनिटी सेंटर में चौकीदार ने शनिवार को फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। चौकीदार शराब पीने का आदी था। सुबह अचानक उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। परिवार ने दरवाजा खुलाने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो चौकीदार का शव फंदे पर लटका था। मृतक की पहचान सुभाष चंद (50) निवासी सेक्टर-8 कम्युनिटी सेंटर कुरुक्षेत्र के रूप में हुई। सुभाष नगर परिषद थानेसर में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगा हुआ था। घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे की है। घटना के वक्त सुभाष के दोनों बेटे और पत्नी घर पर मौजूद थे। मृतक के बेटे करण ने बताया कि वह घटना के वक्त टॉयलेट गया हुआ था। इसी बीच उसके पिता सुभाष चंद ने साइड के कमरे का दरवाजा बंद कर कुंडी लगा ली। दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने कुल्हाड़ी से दरवाजे की कुंडी तोड़ दी। अंदर जाकर देखा तो उसके पिता ने पंखे के साथ चुन्नी का फंदा बनाकर लटके हुए थे।

कुरुक्षेत्रः नहर से मिला लापता पेंटर का शव

कुरुक्षेत्र। इस्माईलाबाद से लापता हुए पेंटर का शव नरवाना ब्रांच नहर में बटेड़ा हेड से बरामद हुआ। 14 फरवरी को उसके नहर में गिरने की आशंका के चलते परिवार पहरा लगाकर बैठा था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आज उसके शव का पोस्टमॉर्टम करवाएगी। मृतक की पहचान विजय कुमार (26) निवासी डल्ला माजरा के रूप में हुई है। विजय रंग-पुताई करने का काम करता था। 14 फरवरी को काम पर जाने के लिए निकला था। करीब 2 घंटे बाद कपड़े डल्ला माजरा गांव के पास नहर किनारे पर पड़े मिले थे।

यमुनानगर के पलाका में बनाया जा रहा फार्म

पोल्ट्री फार्म के विरोध में धरने पर डटे ग्रामीण

पोल्ट्री फार्म बनने से लोगों को प्रदूषण के कारण भयंकर बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा

भाजपा नेता कांबोज ने आश्वासन दिया कि सीएम से बात करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रादौर

गांव पलाका में कथित रूप से लगभग ढाई एकड़ में बनाए जा रहे पोल्ट्री फार्म के निर्माण कार्य को बंद करवाए जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शनिवार को छठे दिन भी धरना प्रदर्शन किया। गांव के सैकड़ों लोगों ने धरना कमेटी के प्रधान एवं पूर्व सरपंच जागीर सिंह के नेतृत्व में धरना स्थल पर नारेबाजी की और प्रशासन से पोल्ट्री फार्म को तुरंत बंद करवाए जाने की मांग की। वहीं, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व भाजपा के वरिष्ठ नेता मास्टर सतपाल मंधार ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को अपना समर्थन किया। शनिवार को पलाका के सैंकड़ो ग्रामीण छठे दिन भी धरना प्रदर्शन कमेटी के प्रधान जागीर सिंह के नेतृत्व में धरना स्थल पर पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान उन्होंने सरकार व प्रशासन से पोल्ट्री फार्म के निर्माण कार्य को तुरंत बंद करवाए जाने की मांग की। मौके पर धरना प्रदर्शन कमेटी के प्रधान जागीर सिंह, सरपंच बलबीर सिंह, रंजीत सिंह पंच, शिवकुमार पंच व मेनपाल आदि ने बताया कि गांव में अवैध रूप से पोल्ट्री फार्म बनाए जाने के मामले को लेकर पूरा गांव एक है। गांव में कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री फार्म बनाए जाने के पक्ष में नहीं है। गांव में पोल्ट्री फार्म बनने से लोगों को प्रदूषण के कारण भयंकर बीमारियों का सामना पड़ सकता है। पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व वरिष्ठ भाजपा नेता मास्टर सतपाल कांबोज ने ग्रामीणों को आवासन दिया कि मामले को लेकर वह मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे।

खबर संक्षेप

बुलेट से पटाखे बजाने वालों पर कसा शिकंजा

रादौर। रादौर क्षेत्र में बुलेट पर पटाखे बजाकर लोगों को परेशान करने वालों की अब खैर नहीं है। इसके लिए रादौर पुलिस ने बुलेट पर पटाखे बजाने वालों पर शिकंजा कसने के लिए अभियान शुरु कर दिया है। थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर आनंद प्रकाश ने बताया कि कस्बा समेत क्षेत्र में बुलेट से पटाखे बजाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इस दौरान चैकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने चैकिंग अभियान के तहत दो बुलेट बाइक चालकों को पटाखे बजाने, बिना नंबर के बाइक चलाने व अन्य कारणों से 86 हजार 500 रूपये का जुर्माना लगाया है। थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर आनंद प्रकाश ने बताया कि कस्बा में खासकर कॉलेज रोड पर बुलेट बाइक से पटाखे बजाने वाले लोगों के बारे में उन्हें शिकायते मिली थी। उसके बाद उन्होंने अभियान चलाया। इस दौरान दो बुलेट चलाने वाले लोगों को पटाखे बजाने पर पुलिस ने जुर्माना किया है। एक बुलेट चालक पर 36 हजार 500 रूपये जुर्माना किया गया था। जो उसने अदा कर दिया। जबकि दूसरे पर 40 हजार रूपये का जुर्माना किया गया है।

व्यक्ति को बेहोश कर निकाले 10 हजार रुपए

यमुनानगर। शहर के पंजाब नेशनल बैंक के बाहर गांव दुसानी निवासी सतीश कुमार को बेहोश कर उसकी जेब से 10 हजार रुपए चोरी कर लिए गए। लोगों ने जब उसे बेहोशी की हालत में देखा तो घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना उसके परिजनों को दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव दुसानी निवासी आदित्य शर्मा ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका ताऊ सतीश कुमार 20 फरवरी को दोपहर 12 बजे शहर के पंजाब नेशनल बैंक में पैसे निकलवाने के लिए आया था। इस दौरान वह बैंक से 10 हजार रुपए निकलवा कर घर जा रहा था। जैसे ही बैंक के बाहर पहुंचा तो वहां पर अज्ञात व्यक्ति ने उसके ताऊ को कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया। इसके बाद आरोपी ने उसके ताऊ की जेब से 10 हजार रुपए निकाल लिए।

मनोहर लाल ने लैब का किया शुभारंभ

पानीपत। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दशहरा कमेटी सनौली रोड एवं सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हुडा सेक्टर 25 स्थित श्री रघुनाथ धाम में सन्नी ओबराय क्लीनिक लैब एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ किया। वहीं, सरबत दा भला के एसपी सिंह ओबराय ने कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य है कि इलाज से कोई वंचित न रहे। अपनी कमाई का 98 प्रतिशत दान करने वाले एसपी सिंह ने कहा कि वह अभी तक लगभग 350 डायग्नोस्टिक सैंटर खोल चुके हैं जहां लाखों लोग उचित दर पर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठा रहे हैं। प्रधान रमेश माटा ने कहा कि दशहरा कमेटी सनौली रोड का प्रयास रहा है कि दशहरा पर्व मनाने से शुरू हुई संस्था को मानव

सूचना तंत्र की मजबूती से ही प्रजातंत्र होगा सशक्त

पानीपत। आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा संचालित हिंदी साहित्य परिषद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य पर अंतर्विभागीय व्याख्यान कार्यक्रम हुआ। यह व्याख्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बीए तृतीय वर्ष के षष्ठम सत्र में वीओसी पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी पत्रकारिता विषय पर आधारित रहा। मुख्य वक्ता महाविद्यालय से जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक डॉ.दिनेश ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्य एवं हिंदी साहित्य परिषद के संरक्षक प्रो.डॉ.जगदीश गुप्ता ने परिषद की गतिविधियों के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखते हुए परिषद को साहित्यिक एवं रचनात्मक समझ विकसित करने का सशक्त मंच बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण विधा है।

मेयर ने बैठक में निगम पार्षदों से वार्ड वाइज जानी जनसमस्याएं

जन शिकायतों का समयबद्ध तरीके से करवाएं समाधान: सुमन बहमनी

तीन चरणों में मेयर ने शहर के सभी पार्षदों के साथ की बैठक, नियमित सफाई, स्ट्रीट लाइट और अधूरे विकास कार्यों पर हुई विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। बैठक में समस्याओं की जानकारी लेते हुए मेयर सुमन बहमनी।

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने, जल निकासी की समस्याओं के समाधान तथा गलियों व क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण को गति देने को लेकर निगम कार्यालय में पार्षदों व निगम अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने की।

मेयर सुमन बहमनी ने शनिवार को सबसे पहले जगाधरी नगर निगम कार्यालय में वार्ड नंबर 1 से 7 तक के पार्षदों और संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ड वाइज समस्याओं पर चर्चा की गई। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी मौजूद रहे। इसके बाद शहीद भगत सिंह चौक स्थित निगम कार्यालय में वार्ड 8 से 15 के पार्षदों के साथ बैठक हुई। वहीं, तीसरे चरण में वार्ड 16 से 22 तक के पार्षदों और अधिकारियों के साथ अलग बैठक कर प्रत्येक वार्ड की स्थिति की समीक्षा की गई। मेयर सुमन बहमनी ने सभी पार्षदों से उनके वार्डों में सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज व बरसाती पानी की निकासी, टूटी सड़कों, क्षतिग्रस्त गलियों, खुले नालों तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। पार्षदों ने कई स्थानों पर नियमित सफाई न होने, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों, जलभराव व अधूरे विकास कार्यों की समस्या रखी। उन्होंने बैठक में सभी पार्षदों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वार्डों में लंबित सभी समस्याओं को त्वरित समाधान करें। उन्होंने शहर में लंबित सभी विकास को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।

समस्याओं का समयबद्ध तरीकें से करें समाधान

मेयर सुमन बहमनी ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन वार्डों में लंबे समय से स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हैं। वहां तत्काल सर्वे कर मरम्मत एवं नई लाइटें लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बरसात से पहले नालों की सफाई और जल निकासी के स्थायी समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। मेयर सुमन बहमनी ने जिन गलियों और सड़कों की हालत बेहद खराब हैए उनकी प्राथमिक सूची तैयार कर शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। ताकि निर्माण कार्य समय पर शुरू हो सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वार्ड स्तर पर समन्वय बनाकर कार्य करें और पार्षदों से लगातार संपर्क में रहें। जिससे समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए तथा शिकायत निवारण प्रणाली को और प्रभावी बनाया जाए। मेयर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए सभी स्तरों पर सक्रियता के साथ कार्य किया जाए।

हिन्दु सम्मेलन के लिए शहर में बांटे निमंत्रण पत्र

यमुनानगर। विराट हिन्दु सम्मेलन के लिए न्यौता देते समिति के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हुड्डा सेक्टर-17 में 22 फरवरी को विराट हिंदू सम्मेलन को आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के कार्यवाहक अनुज गर्ग ने बताया कि सम्मेलन को लेकर सभी कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगा दी गई है। सभी कार्यकर्ता घर घर जाकर कार्यक्रम का न्यौता दे रहे है। सम्मेलन में उत्तर क्षेत्र प्रचार प्रमुख अनिल मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद होंगे। वे देश के वर्तमान परिदृश्य, चुनौतियों और उनके समाधान विषय पर अपने विचार रखेंगे। उन्होंने बताया कि मातृ शक्ति आयाम कुटुंब प्रबोधन की जिला संयोजिका बिंदिया गर्ग पंच परिवर्तन विषय पर संबोधित करेंगी। जबकि धर्म जागरण समिति के सह जिला संयोजक माधव जी संघ की 100 वर्ष की यात्रा और उसके योगदान पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिलाएं भी अपनी भागेदारी निभा रही हैं। सम्मेलन की पूर्व संध्या पर हुडा बस्ती में श्री राधा कृष्ण मंदिर से एक्टिवा रैली भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्तिए सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सदस्य शामिल हुए। रैली के माध्यम से समाज को संगठित होने और सम्मेलन में भाग लेने का संदेश दिया गया। सम्मेलन में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। जिसके लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

पढ़ाई व खेल एक दूसरे के पूरक: राणा

- खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार कर रही है नीतियों पर कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

यमुनानगर। कार्यक्रम में संबोधित करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा स्वराज कंपनी मोहाली के संयुक्त तत्वावधान में स्टेप स्टूल, शौचालय व वाल पेंटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि के मौजूद थे। मौके पर मुख्य अतिथि को विद्यालय के प्रिंसिपल, अध्यापकों एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कृषि मंत्री द्वारा स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने एवं वर्ष 2047 से पूर्व भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हम सभी की सहभागिता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि प्राइवेट एवं सरकारी सेक्टर मिलकर कार्य करेंगे तो अवश्य ही भारत वर्ष 2047 से पूर्व विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में एआई कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर एक महत्वपूर्ण फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इसमें दुनिया के विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। एआई विषय पर हेल्पलाइन नंबर 155261 जारी किया गया है।

खेलों को बढ़ावा देने के लिए बनाई खेल नीति

कृषि मंत्री ने कहा कि देश की उन्नति में स्वराज कंपनी सहित काफी संख्या में प्राइवेट कंपनियों का योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई और खेल एक दूसरे के पूरक है, इसलिए हमें पढाई के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेना चाहिए। यदि हम खेल नर्सरी के रूप में किसी एक खेल को अपना ले तो अवश्य ही हमें उस खेल में सफलता मिलती है। प्रदेश सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल नीति बनाई है और इसके कारण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ी देश नाम रोशन कर रहे हैं।

दुकान से 10 हजार रुपये एवं इनवर्टर बैटरी चोरी

यमुनानगर। साढ़ौरा में चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर 10 हजार रुपए की नकदी और इनवर्टर व बैटरी चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- शिकायत के आधार पर पुलिस टीम आरोपियों की जांच में जुटी

जानकारी के अनुसार गांव ढलौर निवासी जगतार सिंह ने साढ़ौरा पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी साढ़ौरा में दुकान है। 19 फरवरी को देर शाम वह दुकान बंद करके घर चला गया था। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचा तो दुकान का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दुकान के गल्ले से 10 हजार रुपए और इनवर्टर व बैटरी गायब था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सड़क हादसों में महिला समेत तीन की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

- पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के गांव कुतुबपुर निवासी 22 वर्षीय प्रवेश अपने साथी इस्माइलपुर माजरी निवासी अर्जुन के साथ बाइक पर यमुनानगर लक्कड़ मंडी में काम पर आ रहा था। जब वह कैल कलानौर हाईवे पर गांव करेड़ा के पास पहुंचे तो तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी ट्रैक्टर ट्राली चालक मौके से फरार हो गया। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

ट्रैक्टर की टक्कर लगने से हुई युवक की मौत

गांव गढ़ी बंजारा निवासी आदित्य ने सदर यमुनानगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका परिचित पुराना हमीदा निवासी विनोद अपने साथी विशाल के साथ बाइक से पुराना सहारनपुर रोड से जा रहा था। जब वह लक्कड़ मंडी के पास पहुंचे तो ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने विनोद को मृत घोषित कर दिया। जबकि विशाल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कार की टक्कर से महिला की मौत, पति घायल

गांव दांभोली निवासी सुखविंदर पाल ने व्यासपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 20 फरवरी को दोपहर एक बजे अपनी पत्नी संगीता रानी के साथ एक्टिवा पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। जब वह गांव दरियापुर के पास पहुंच तो तेज गति से आ रही कार ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह दोनों घायल हो गए। लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसकी पत्नी संगीता रानी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

रादौर। मुकंदलाल कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते मुख्यवक्ता।

प्रोफेशनल पेंटिंग की मूल तकनीकों का दिया प्रशिक्षण

रादौर। मुकंदलाल कॉलेज रादौर में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन कॉलेज के पूर्व छात्र एवं एक प्रोफेशनल कलाकार गौरव आहूजा द्वारा किया गया। उन्होंने अपने साधारण छात्र से सफल कलाकार बनने की प्रेरक यात्रा साझा की। विद्यार्थियों को फ्री हैंड ड्राइंग व प्रोफेशनल पेंटिंग की मूल तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन विद्यार्थियों ने उनके मार्गदर्शन में कॉलेज के कॉरिडोर की दीवारों पर स्वयं पेंटिंग कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। प्रो. सिमरन ने कार्यशाला विद्यार्थियों को करियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. माला शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास को सशक्त बनाने हेतु इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यशाला को स्फल बनाने में सभी स्टाफ सदस्यों का योगदान रहा।

अनाधिकृत कालोनी में निर्माण कार्य पर चला योजनाकार का पीला पंजा

- व्यासपुर में दो एकड़ में बनाई जा रही थी अनाधिकृत कालोनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। अवैध निर्माण पर चला जिला नगर योजनाकार विभाग का पीला पंजा।

जिला के व्यासपुर में दो एकड़ में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी में किए गए निर्माण कार्य को नगर योजनाकार विभाग ने जेसीबी मशीन से ढ़हा दिया। इस दौरान मौके पर ऐहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात रहा।

नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि व्यासपुर के नियंत्रित क्षेत्र में दो एकड़ भूमि में एक अनाधिकृत कॉलोनी विकसित की जा रही है। सूचना मिलते ही उन्होंने मामले के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया गया। जिसके बाद जिला उपायुक्त प्रीति के आदेशानुसार वह व कनिष्ठ अभियंता राहुल और सागर और पुलिस बल के साथ ड्यूटी मैजिस्ट्रेट के रुप में नियुक्त किए गए बीएओ व्यासपुर असीत सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद जेसीबी की मशीन की मदद से अनाधिकृत कालोनी में किए गए निर्माण कार्य, पक्की सड़कें व नीवें आदि को तोड़ा गया।

जेएमआईटी में तकनीकी मेले टेक्नोवांजा का हुआ आयोजन

रादौर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में शनिवार को तकनीकी मेले टेक्नोवांजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी विभागों के छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विभिन्न विभागों द्वारा इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 18 प्रतियोगिताएं शामिल थीं। संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने बताया कि संस्थान तकनीकी शिक्षा में नवाचार पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए इनोवेशन पर जोर दे रहे हैं। टेक्नोलॉजी के इस दौर में मेमोरी और स्टोरेज समाधानों की मांग तेजी से बढ़ रही है और हम इस उद्योग में इनोवेशन का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हैं। छात्रों ने तकनीकी रूप से मजबूत बनने का प्रण लिया व अपने कौशल का मंचन किया। संस्थान के आईटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जुनेजा के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस मेले में सभी विभागाध्यक्षोंए प्राध्यापकों ने छात्रों का उत्साह बढ़ाया।

रादौर। जेएमआईटी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम भाग लेते विद्यार्थी व शिक्षक।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

- पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ किया केस दर्ज
- 20 फरवरी की रात को घर से गायब हुई थी युवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

कस्बा छछरौली में एक युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अगवा कर लिया। पुलिस ने युवती के पिता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छछरौली निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी 20 फरवरी को रात का खाना खाकर अपने कमरे में सो गई थी। सुबह जब वह जागे तो उन्हें अपनी लड़की कमरे से गायब मिली। उन्होने कहा कि काफी तलाश करने के बाद भी उसकी लड़की का कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को गांव जटहेडी निवासी अंकित शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी अंकित के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जिलाधीश प्रीति ने दी चेतावनी, आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा

नाबालिगों को नशीले उत्पाद बेचने पर होगी कार्रवाई

नाबालिग बच्चों को बीड़ी सिगरेट व तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों पर होगी कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। बच्चों को बीड़ी व सिगरेट बेचने वालों को हिदायत देते हुए जिलाधीश प्रीति।

जिला में यदि कोई दुकानदार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को बीड़ी, सिगरेट एवं अन्य नशीले तम्बाकू उत्पाद बेचता हुआ पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बच्चों के हाथ दुकानों से तम्बाकू उत्पाद मंगवाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उक्त चेतावनी शनिवार को जिलाधीश प्रीति ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी।

जिलाधीश प्रीति ने बताया कि सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाओं के अनुसार सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों के उत्पादन, व्यापार, आपूर्ति एवं वितरण से संबन्धी विज्ञापनों पर पूर्ण रूप से रोक लगाई गई है। उन्होंने बताया कि सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 की धारा 4 के तहत कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर बीड़ी एवं सिगरेट नहीं पी सकता है व धारा 5 के तहत तंबाकू एवं तंबाकू से बने अन्य उत्पादनों से संबन्धित विज्ञापनों पर पूर्ण रूप से रोक लगाई गई है। किसी भी स्थान पर तंबाकू व तंबाकू से बने उत्पादों के विज्ञापनों हेतु होर्डिंग और बैनर नहीं लगाए जा सकते। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार नशे के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम चला रही है। जिसके चलते लोगों को नाटक, पैदल यात्रा व मैराथन के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में पिछले कुछ सालों में नशे के मामलों में कमी दर्ज की गई है।

धुम्रपान से स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

उन्होंने बताया कि उक्त अधिनियम की धारा 6 (ए)के तहत कोई भी व्यक्ति, दुकानदार 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी नाबालिग बच्चे को बीड़ी, सिगरेट तथा तंबाकू से बना कोई भी नशीला उत्पाद नहीं बेच सकता। जिलाधीश प्रीति ने जनता से सार्वजनिक स्थानों, बसों, रेलगाड़ियों व कार्यालयों आदि में बीड़ी, सिगरेट व नशीली वस्तुओं का सेवन नहीं करने की अपील की है। क्योंकि इससे न केवल पर्यावरण दूषित होता है। उन्होंने कहा कि आज के इस आधुनिक युग में बच्चें सोशल मीडिया पर ट्रेंड के अनुसार नशे की लत का शिकार बनते जा रहे है। आज का युवा इंस्टाग्राम पर रील के माध्यम से अपने जीवन को व्यतीत करना चाहता है। बच्चे सोशल मीडिया पर छाने के लिए नशे का सेवन करते है। उसके बाद उनको नशे की लत लग जाती है। बल्कि अन्य लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति, दुकानदार अधिनियम के प्रावधानों की उल्लंघना करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तापमान
अधिकतम 29 .1 डिग्री
न्यूनतम 10 .3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

प्रभातफेरी में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

थानेसर। श्रीकृष्ण कृपा गौशाला सेवा समिति की ओर से ज्योति नगर में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी की प्रेरणा से होली पर्व के उपलक्ष में प्रभातफेरी का आयोजन डॉक्टर उमा गौड़ के परिवार द्वारा करवाया गया। प्रभात फेरी में आयोजक परिवार के सदस्य उमा गौड़, वरुण, सुखप्रीत, श्वेता, गुरसेवक और सहज सहित श्री कृष्ण कृपा महिला संकीर्तन मंडल की सदस्य सविता धवन, ममता आहूजा, भावना, मीनाक्षी नरूला, शालू, उषा सहगल, पुष्पा, सुदेश रानी, उषा शर्मा, अनीता शर्मा, राखी अरोड़ा, अनु अरोड़ा के अतिरिक्त कृष्ण कृपा जीओ गीता समिति के प्रमुख पदाधिकारी ने भाग लिया। समिति के प्रधान सुनील वत्स ने बताया कि 7 फरवरी से पूरे नगर में प्रभात फेरिया आयोजित की जा रही है।

खबर संक्षेप

576 वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस और हिन्दी कवि, उपन्यासकार, कहानीकार, निबंधकार, आलोचक, अनुवादक, संपादक तथा बाल साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के जन्मदिन पर लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल कुरुक्षेत्र के रक्त केंद्र में 576 वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर पुलिस के सर्वोच्च रक्तदाता, राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता शतकवीर एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा आयोजित किया गया।

आंगनवाड़ी वर्कर 25 को सौपेंगे मांगों का ज्ञापन

कुरुक्षेत्र। भारतीय मजदूर संघ यूनियन न 1203 की प्रदेश महासचिव कलावती सेन ने बताया कि आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर की मुख्य मांगो को लेकर 25 फरवरी को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और हरियाणा महिला एवं बाल विकास की मंत्री के नाम विभाग की पीओ बलजीत कौर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पिहोवा से लेकर यमुनानगर तक बनाई जाएगी फोरलेन

कुरुक्षेत्र बाइपास प्रोजेक्ट को लेकर एनएचएआई ने तैयार किए तीन विकल्प

कुरुक्षेत्र के बाद दूसरे चरण में लाडवा और रादौर में भी बनेंगे बाइपास

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की तरफ से कुरुक्षेत्र बाइपास प्रोजेक्ट को लेकर 3 विकल्प तैयार किए गए है। इन तीन विकल्पों में पहला विकल्प दक्षिण दिशा में बाइपास बनाने का है। यह बाइपास लगभग 36.9 किलोमीटर का होगा, दूसरा विकल्प उत्तर दिशा की तरफ बनाया जाएगा। इसकी लम्बाई 37.1 किलोमीटर की होगी और तीसरा विकल्प भी दक्षिण दिशा की ओर होगा। इस विकल्प के तहत कुरुक्षेत्र बाईपास शहर के नजदीक से गुजरेगा और इसकी लंबाई 35.2 किलोमीटर की होगी। इन तीन विकल्पों को सरकार के पास भेजा जाएगा और सरकार लोगों की सुविधा के अनुसार एक विकल्प पर अपनी मोहर लगाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जल्द ही कुरुक्षेत्र के लोगों को बाइपास के रूप में एक सौगात देंगे और लोगों के ड्रीम प्रोजैक्ट को पूरा करके ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी समस्या से निजात दिलाएंगे। इस ड्रीम प्रोजैक्ट को पूरा करने के लिए शनिवार को नैशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया(एनएचएआई) की तरफ से प्रथम चरण में बनने वाले कुरुक्षेत्र बाईपास प्रोजैक्ट को लेकर पब्लिक कंस्लटेशन मीटिंग का आयोजन किया गया।

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद पार्टी नेता व अधिकारी।

अधिकारियों और नागरिकों ने भी रखें सुझाव

इस प्रोजेक्ट के तहत एनएचएआई द्वारा कुरुक्षेत्र बाईपास बनाने के लिए 3 विकल्प तैयार किए गए है और इन तीनों विकल्पों को लेकर जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और सरपंचों तथा आम नागरिकों ने अपनी राय भी रखी और इस प्रोजेक्ट को लेकर कुछ सुझाव भी दिए गए है। एनएचएआई की तरफ से निजी एजेंसी द्वारा ट्रैफिक को लेकर सर्वे किया गया। यह सर्वे पिहोवा के पास, गांव मथाना के पास और यमुनानगर के पास गांव दामला में किया गया। इस सर्वे के बाद एनएचएआई ने कुरुक्षेत्र बाईपास को लेकर तीन प्रोजैक्ट तैयार किए है। इन विकल्पों को लेकर विधायक अशोक अरोड़ा, हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा,मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, जिला परिषद के उपाध्यक्ष डीपी चौधरी, डीटीपी नवीन कुमार सहित अधिकारियों, सरपंचों और आमजन ने अपने सुझाव दिए। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने कहा कि सभी गणमान्य लोगों के सुझावों पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में पिहोवा 152डी से लेकर मथाना के पास गांव बीड सोंटी तक फोरलेन का कार्य किया जाएगा और कुरुक्षेत्र में तीनों विकल्पों में से एक विकल्प के अनुसार बाईपास बनाया जाएगा। इसके बाद यमुनानगर तक फोरलेन का कार्य किया जाएगा और लाडवा के साथ-साथ रादौर में भी बाईपास का निर्माण किया जाएगा।

डीडी शर्मा ने करोड़ों के कार्यों का किया शुभारंभ

पिहोवा। विकास कार्य का शुभारंभ करते भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी।

- जनता की लंबे समय से चली आ रही मांगों का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। पिहोवा

भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित जय भगवान शर्मा डीडी ने पिहोवा क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत नारियल फोड़कर शुभारंभ एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। पंडित जय भगवान शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता देते हुए इन विकास परियोजनाओं को साकार रूप दिया गया है।

सीएम के नेतृत्व में किया जा रहा विकास

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में बिना भेदभाव के विकास कार्य हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि, उप प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा, मंडल प्रधान किसान मोर्चा दीपक प्रकाश महंत, मंजीत कौर सरपंच जुल्मत, सोनू सुरमी महामंत्री भाजपा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश पुरोहित, मदन पोपली अमेरिका ,डा धर्मपाल थाना,सुरेंद्रपाल शर्मा, जयपाल कौशिक बब्बी नंबरदार, गगन टांक पार्षद शंभुदत्त शर्मा, लखविन्द्र सिह अरुणाय,रोहताश ब्लाक समिति सदस्य, समस्त पार्षद, सरपंच, पंच एवं बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरीडवा का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

शाहबाद। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरींडवा का वार्षिकोत्सव बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट और सांस्कृतिक उमंग से सराबोर नजर आया। मंच पर विद्यार्थियों ने प्रतिभा की खूब छठा बिखेरी और जमकर वाहवाही लूटी। कार्यक्रम में भाजपा नेता सुभाष कलसाना, डी.पी.सी. कृष्ण कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी शेखर शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप शिरकत की। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके अलावा लोकगीत, लोकनृत्य, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य और कविता गायन से बच्चों ने समय बांध दिया। मुख्यातिथ्ज्ञि सुभाष कलसाना ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और संस्कार से ही भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सकता है।

सेंट थॉमस कॉन्वेंट विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नन्हें विद्यार्थियों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्विद्यालय की प्रोफेसर शूचि स्मिता ने कहा कि वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों के अंदर की कला को पहचानने का सबसे अच्छा मंच है। इतना ही नहीं किसी भी विद्यालय का वार्षिक उत्सव संपूर्ण वर्ष के उत्सवों में सबसे भव्य एवं शानदार होता है। इस दौरान स्कूल का अपनी वार्षिक उपलब्धियों को बताने का अवसर मिलता है, जो स्कूल और परिजनों के बीच के संबंध को मजबूत बनाता है। वही जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने बच्चो को संबोधित करते हुए कहा की आज मंच पर जो भी प्रस्तुति आप देखेंगे, उसके पीछे बच्चों की मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग छिपा हुआ है।

किडजी स्कूल में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट आयोजित

लाडवा। बच्चों को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से किडजी स्कूल में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। आज के मोबाइल युग में बच्चों में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का यह एक सराहनीय प्रयास रहा। छात्र जीवन में शिक्षा का जितना महत्व है, उतना ही महत्व खेलों का भी है। इसलिए सभी छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अधिक से अधिक खेलों में भाग लेना चाहिए, क्योंकि खेल जहां उन्हें स्वस्थ रखते हैं, वहीं उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते है। समारोह में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर स्कूल की कोऑर्डिनेटर प्रभा तथा अध्यापिकाएं - मुस्कान मग्गो, गीता, शिवानी, वर्षा, गौरव, गरिमा अरोड़ा, वंदना, महक शर्मा, सिमरन, सोनिया, रविंदर, डोली, निशु, शैलवी, सरबजीत, स्वाति, कविता आदि मौजूद रही।

डीएलएसए ने लगाया रक्तदान शिविर

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सर्व समाज कल्याण सेवा समिति, एलएनजेपी अस्पताल और एमडीडी एनजीओ के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस शिविर का उद्घाटन न्यायमूर्ति निधि गुप्ता, न्यायाधीश पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तथा प्रशासनिक न्यायाधीश, कुरुक्षेत्र द्वारा किया गया। उन्होंने बैज लगाकार रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। शिविर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल भी उपस्थित रहे। न्यायमूर्ति ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया तथा डीएलएसए और उपरोक्त संस्थान एवं एलएनजेपी के इस आयोजन की सराहना की।

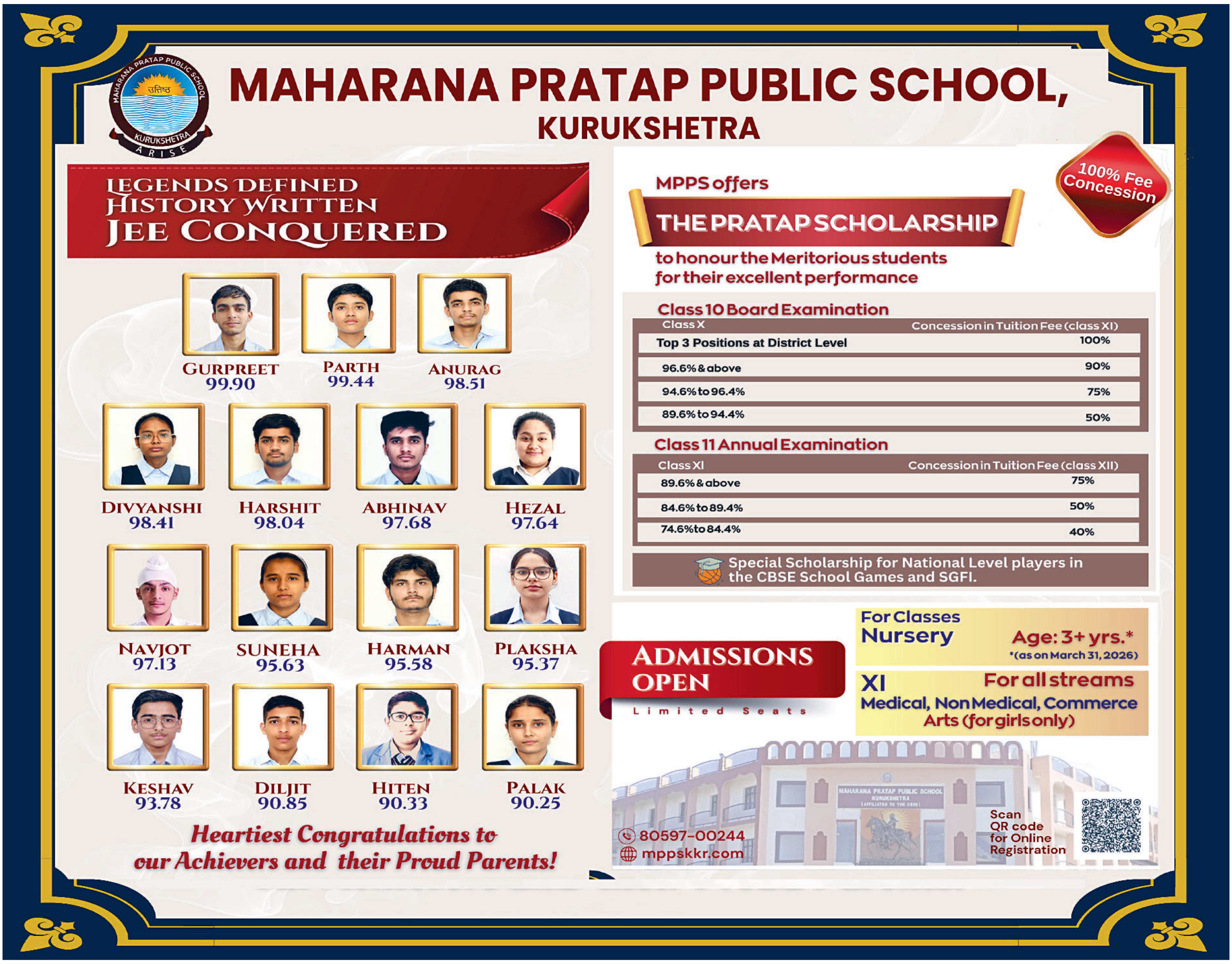

खबर संक्षेप

धमकी देने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। डरा धमकाकर पैसे मांगने के मामले में सीआईए नारायणगढ़ ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बराड़ा के पवन कुमार ने 13 फरवरी 2026 को एक शिकायत दर्ज करवाई थी। उसका आरोप था कि आरोपियों ने उनसे अवैध रूप से पैसों की मांग की है। मांग पूरी न होने पर अंजाम भुगतने व जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत केस दर्ज कर आरोपियों काबू किया है। आरोपियों की पहचान दिलीप कुमार, विक्की व हैप्पी के तौर पर हुई है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

अंबाला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) के निर्देशानुसार शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), अंबाला द्वारा कानूनी सहायता रक्षा वकील (एलएडीसी) और फ्रंट ऑफिस के रिटेनर्स के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण एवं रिफ्रेशर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय एडीआर सेंटर के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, डीएलएसए परवीन ने संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित वकीलों का मार्गदर्शन किया।

11 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी पकड़ा

अंबाला। एएनसी स्टाफ ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टांगरी बांध क्षेत्र से आरोपी को नशीले पदार्थ सहित काबू किया। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से 11 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ थाना महेश नगर में मामला दर्ज कर लिया गया है।आरोपी की पहचान नितिन कुमार के रूप में हुई है 1 एएनसी इंचार्ज निरीक्षक ऋषिपाल ने बताया कि अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। सूचना मिलते ही तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा गया। उन्होंने बताया किआरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान गहन पूछताछ की जाएगी ताकि इस नेटवर्क में संलिप्त अन्य आरोपियों का पता लगाकर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा सके।

नकदी चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज नकद राशि चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी सन्नी सिंह को गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला ने 22 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 21 मई 2025 को आरोपी ने खत्रवाड़ा में स्थित उसके घर का ताला तोड़कर 15 हजार की नकद राशि चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

बुजुर्गों की पेंशन बहाली पर विजय दिवस मनाया

अंबाला। इनेलो जिला पदाधिकारियों ने विश्राम गृह में विजय दिवस मनाया। यह विजय दिवस बुढ़ापा पेंशन को दोबारा बहाल करने पर मनाया गया। इस मौके पर इनेलो प्रदेश महासचिव प्रकाश भारती व जिलाध्यक्ष जगमाल सिंह रोलों उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार की ओर से बीते दिनों आय सीमा के आधार पर हजारों बुजुर्गों की पेंशन में कटौती करने का काम किया था। इस कारण प्रदेश में बुजुर्गों के सम्मान को ठेस पहुंची थी। इनेलो राष्ट्रीय सुप्रीमो अभय चौटाला ने इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाते हुए सरकार को बड़े आंदोलन की चेतावनी दी थी।

पीएमएवाई की किस्त नहीं आने वालों के लिए मौका

उचाना। नपा एरिया उचाना में 2017 में पीएम आवास योजना के तहत फार्म भरने वालों की दूसरी, तीसरी किस्त खाते में नहीं आने वालों के लिए अच्छी खबर है। नपा सचिव अशोक डांगी ने बताया कि नपा एरिया में 2017 में पीएमएवाई के फार्म भरे गए थे। जिनकी दूसरी, तीसरी किस्त बाकी है वो दो-दो दिन के अंदर नपा कार्यालय के कमरा नंबर 10 में कर्मचारियों से मिले ताकि जो कमी उनकी किश्त नहीं आने में आ रही है।वो कमी पूरी हो उनको योजना का लाभ मिल सके।

एसडीएम कैंट ने अधिकारियों के साथ मौके का किया मुआयना

रिंग रोड से खेतों में रास्ता देने को लेकर बनी सहमति

किसानों ने एसडीएम को अपनी समस्या से करवाया अवगत, सहमति के बाद किसानों का धरना समाप्त

1 निजी क्षेत्र की भागीदारी से भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनेगा

2 अधिकारियों ने स्थान चिह्नित कर वहां से रास्ता देने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

रिंग रोड से किसानों को खेतों में जाने को लेकर चल रहा विवाद सुलझ गया। एसडीएम अंबाला कैंट और एनएचएआई के अधिकारियों ने किसानों के साथ दो घंटे तक मौके का मुआयना किया। किसानों ने जलभराव, खेतों को रास्ता न देने जैसे स्थानों पर अधिकारियों को हालात दिखाए। इसके बाद अधिकारियों ने मंथन कर किसानों को एक खेत से दूसरे खेत में जाने के लिए रास्ता देने पर सहमति जता दी। इसके साथ ही जलभराव के उपाय भी करने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। एनएचएआई ने दो महीने बाद काम दोबारा से शुरू कर दिया है। रिंग रोड परियोजना और अंबाला-शामली राष्ट्रीय राजमार्ग आपस में मिल रहे हैं। दोपहर साढ़े 12 बजे एसडीएम विनेश कुमार एनएचएआई के अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। यहां से भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी गुट के जिला प्रधान मलकीत सिंह के साथ अधिकारी सपेहड़ा में विभिन्न स्थानों पर पहुंचे। मलकीत सिंह ने दिखाया कि पिछले दिनों आई बारिश से किसानों की फसल जलमग्न होकर खराब हो गई हैं। उन्होंने बताया कि सपेहड़ा से लेकर सद्दोपुर तक ऐसा ही फसलों को नुकसान हुआ है। अभी भी पानी खेतों से निकला नहीं है। ऐसे में एनएचएआई के अधिकारियों ने कहा कि इन स्थानों पर वह लाइन डालने का काम करेंगे। भविष्य में यह दिक्कत नहीं आएगी। किसानों ने दिखाया कि रिंग रोड में उन्होंने जमीन सरकार को दी है। रिंग रोड के दोनों तरफ उनके खेत पड़ रहे हैं। इसे पार करने का कोई रास्ता नहीं है, ऐसे में किसान अपने खेतों में कैसे जाएंगे। इस पर अधिकारियों ने विशेष स्थानों को चिह्नित कर वहां से निकलने का रास्ता देने का आश्वासन दिया है। मगर यह विकल्प उन्हीं स्थानों पर होगा जहां दोनों तरफ संबंधित किसान के खेत हैं।

अंबाला। किसानों के साथ मौके का मुआयना करते एसडीएम व अन्य अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

हर हाल में इसी साल काम पूरा करना होगा

अंबाला रिंग रोड परियोजना और अंबाला-शामली राष्ट्रीय राजमार्ग को इस साल एनएचएआई को हर हाल में पूरा करना है। अंबाला-शामली राष्ट्रीय राजमार्ग तो भारतमाला परियोजना का हिस्सा है, जिसकी पीएमओ निगरानी कर रहा है। रिंग रोड पर 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बीते दो महीनों से सपेहड़ा में डेढ़ किलोमीटर के हिस्से के काम को इन समस्याओं के कारण किसानों ने रोक दिया था, जिसका अब समाधान हो गया है। किसानों का कहना है कि उनके खेतों के बीच से रिंग रोड परियोजना गई है। अब हम अपने खेतों में नहीं जा पा रहे हैं। रिंग रोड के दोनों तरफ हमारे खेत पड़ते हैं। किसानों ने बताया कि इसकी वजह से खेतों में पानी भरा हुआ है। यहां जलभराव के लिए स्थायी समाधान चाहिए। सर्विस लेन बन जाए तो काफी अच्छा होगा। एनएचएआई के डीएम विशाल ने बताया कि किसानों की समस्याओं पर गौर करते हुए मंथन करने के बाद समाधान दे दिया है। अब परियोजना पर काम शुरू हो गया है।

समाज सेवा से राष्ट्रहित में योगदान देने का दिया संदेश

बराड़ा। कैंप का उद्घाटन करते हुए प्रिंसिपल व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

- एमपीएन कॉलेज में एनएसएस की ओर से सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

एमपीएन कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम सिरसगढ़ में सात दिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ॰ राजश्री खरे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम सिरसगढ़ के सरपंच रामनाथ उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्राचार्या डॉ॰ राजश्री खरे ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्रहित में योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं में सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी विकसित करने का सशक्त माध्यम है। सरपंच रामनाथ ने युवाओं की ऊर्जा और उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें ग्राम विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वयंसेवकों की सहभागिता से गांव में सकारात्मक बदलाव आएगा।

समाज सेवा का संकल्प

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ॰ आशुतोष शर्मा ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि सात दिनों के दौरान ग्राम में स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां तथा विभिन्न सामाजिक विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर में 50 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज सेवा का संकल्प लिया।

अधोया के राजकीय स्कूल में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए किया हवन

- मातृभाषा के महत्व को भी रेखांकित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अधोया में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य राजेश पराशर, एनएसएस प्रभारी डॉ. बलवंत सिंह, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। हवन का उद्देश्य विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करना तथा उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ना रहा। इस दौरान संस्कृत अध्यापक कप्तान शास्त्री ने कहा कि हवन-यज्ञ भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है। प्राचीन काल से ही हवन को शुद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम माना जाता है। मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि में आहुति देने से वातावरण में पवित्रता एवं मानसिक शांति का संचार होता है। हवन-यज्ञ के उपरांत अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 मनाया गया, जिसकी इस वर्ष की थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज रही।

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिभागी स्टूडेंट्स। *फोटो : हरिभूमि*

टायर चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने सक्रिय टायर चोर गिरोह पर शिकंजा कसते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान यमुनानगर के जागढ़ौली के छमिंदर कुमार यमुनानगर के शादीपुर गांव के राजेश कुमार व यमुनानगर के ही थानाछप्पर के कुलदीप उर्फ पंकज के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के 6 टायर (रिम सहित), एक ट्रक, जैक, रॉड और अन्य औजार बरामद किया गया है। 13 फरवरी 2026 को गांव केसरी के बलविंदर सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनके वाहन से टायर चोरी हो गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सीआईए-2 सूचना के आधार पर अधोई-बराडा क्षेत्र से घेराबंदी कर इन आरोपियों को काबू किया। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह सुनसान जगहों पर खड़े वाहनों को निशाना बनाते थे।

700 खिलाड़ियों को राहत, सरकार ने दो महीने की डाइट मनी जारी की

- खेल नर्सरियों में पसीना बहाने के बावजूद खिलाड़ियों को नहीं मिल रही थी डाइट मनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पिछले सत्र की खेल नर्सरियों में पसीना बहाने वाले खिलाड़ियों को राहत मिली है। खेल विभाग ने पुराने सत्र के लगभग 700 खिलाड़ियों की जून व जुलाई महीने की डाइट मनी राशि जारी कर दी है। पिछले छह महीनों से इस राशि का इंतजार कर रहे खिलाड़ियों के बैंक खातों में विभाग ने लाखों रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की है। हालांकि, खिलाड़ियों को अभी भी अगस्त से दिसंबर तक के पांच महीनों के भुगतान का इंतजार है, इसको लेकर भी मुख्यालय स्तर पर प्रक्रिया चल रही है। वर्ष 2025 में चल रही खेल नर्सरियों के खिलाड़ियों की डाइट मनी लंबे समय से बजट के अभाव में अटकी हुई थी। डाइट मनी न मिलने के कारण खिलाड़ियों को अपनी खुराक और प्रशिक्षण के खर्चों को वहन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। विभाग द्वारा अब जून व जुलाई की राशि जारी होने से खिलाड़ियों व उनके अभिभावकों ने राहत की सांस ली है।

शेष राशि जल्द जारी कर दी जाएगी

खेल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आगामी बजट प्रक्रिया के तहत जल्द ही शेष महीनों की राशि भी खिलाड़ियों के खातों में भेज दी जाएगी। जबकि नए सत्र यानी मार्च में दोबारा शुरू होने वाले खेल नर्सरियों से पहले यह राशि मिलने की उम्मीद बनी हुई है ताकि नए खेल नर्सरियों में खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी निभा सकें। जिला खेल अधिकारी रामसरूप ने बताया कि खिलाड़ियों की डाइट मनी सीधे उनके खातों में भेजी जा रही है। जून व जुलाई का भुगतान कर दिया गया है। मुख्यालय स्तर से ही यह राशि दी जा रही है। जल्द ही शेष राशि भी जारी कर दी जाएगी।

हादसे में साइकिल सवार की जान गई

अंबाला। छावनी में साइकिल सवार की मौत के बाद कार चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। आरोपी चालक ने पहले इलाज का खर्च उठाने का वादा कर पुलिस कार्रवाई रुकवाई थी लेकिन घायल की मौत के बाद वह अपने वादे से मुकर गया। पुलिस ने चश्मदीद के बयान के आधार पर यह कार्रवाई की है। हादसा 11 फरवरी 2026 की सुबह करीब 6:30 बजे अंबाला कैंट के कैपिटल चौक के पास हुआ था। प्रत्यक्षदर्शी अशोक कुमार ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक सफेद टाटा पंच कार को लापरवाही से साइकिल सवार राकेश कुमार को टक्कर मारते देखा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल सवार राकेश कुमार वासी शांति नगर की दोनों टांगें टूट गईं और सिर में गंभीर चोटें आईं। चश्मदीद और अन्य राहगीरों ने घायल को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

25 साल की निकिता को कुचलने वाला हेडकांस्टेबल फिर गिरफ्तार

- शराब के नशे में धुत होकर युवती को कुचलने का आरोप, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नई धारा जोड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के मॉडल टाउन की रहने वाली 25 वर्षीय निकिता की मौत के मामले में आरोपी हेड कांस्टेबल अमित कुमार को दोबारा से गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने आरोपी को जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए हैं। दरअसल इस मामले में पहले पड़ाव थाना पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चढ़ाने की धारा में केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी अदालत से जमानत मिल गई थी। इसके बाद युवती के परिजनों ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर आरोपी हेड़कांस्टेबल के खिलाफ पुलिस द्वारा ढीली कार्रवाई करने के आरोप लगाए थे। मृतका के माता पिता व भाई ने विज को पूरे मामले से अवगत करवाया था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लेते हुए गैर इरादतन हत्या की धारा 105 लगाने के निर्देश दिए थे। अब धारा लगने के बाद कोर्ट की अनुमति से पुलिस ने आरोपी को दोबारा से गिरफ्तार किया। पीड़ित पक्ष की तरफ से ह्यूमन राइट्स काउंसिल इंडिया संगठन से जुड़ी अधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में अब आरोपी की जमानत पर सुनवाई होगी।

चोरी के पचास मामलों में वांटेड आरोपी रिमांड पर

- अदालत ने आरोपी को किया था भगौड़ा घोषित, हो रही पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

आरपीएफ की टीम ने चोरी के 50 मामलों में वांछित को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के मोहम्मद अकबर के तौर पर हुई है। आरोपी ट्रेनों में चोरी करने का माहिर बताया गया है। आरोपी ने न केवल अंबाला बल्कि दिल्ली, गाजियाबाद और हापुड़ समेत उत्तर रेलवे की कई पोस्टों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था और वह पिछले तीन साल से भगोड़ा घोषित किया गया था। आरपीएफ अंबाला कैंट के निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि वर्ष 2018 में दर्ज मुकदमा में वांछित मोहम्मद अकबर मथुरा की अदालत से किसी अन्य मामले में पेश होने वाला है। 18 फरवरी को अदालत से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर उसे मथुरा जिला कारागार से हिरासत में ले लिया। मामला 4 नवंबर 2018 का है जब चलती गाड़ी संख्या 14033 जम्मू मेल से दो एलईडी टीवी और वारदाना के 16 बैग चोरी हुए थे। इसकी कीमत 2 लाख 65 हजार 568 रुपये आंकी गई थी। इस मामले में मो. अकबर लंबे समय से फरार चल रहा था। 15 नवंबर 2022 को रेलवे मजिस्ट्रेट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

गोल्ड व्यापारी बनकर युवती को 5.86 लाख का चूना लगाया

- साइबर पुलिस ने फ्रॉड का मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

एक युवती साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गई। गांव पंजलासा की 32 वर्षीय सीमा से ठगों ने गोल्ड पार्सल भेजने का झांसा देकर 5.86 लाख रुपये ठग लिए। थाना साइबर क्राइम में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दिए बयान में सीमा ने बताया कि जनवरी 2026 में उसे इंस्टाग्राम पर एक आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। दोस्ती बढ़ने पर आरोपी ने खुद को अमेरिका का एक बड़ा गोल्ड व्यापारी बताया और युवती का विश्वास जीत लिया। ठगी की शुरुआत तब हुई जब आरोपी ने सीमा को एक 'गोल्ड पार्सल' भेजने का झांसा दिया। इसके बाद 9 जनवरी 2026 को उसे एक कथित डिलीवरी बॉय का फोन आया। डिलीवरी बॉय ने पार्सल क्लीयरेंस और प्रॉपर्टी वेरिफिकेशन के नाम पर पैसे की मांग की। जब युवती ने अमेरिका में बैठे अपने 'दोस्त' से बात की तो उसने भी पार्सल को कीमती बताते हुए जल्द से जल्द पैसे जमा करने का दबाव बनाया। इस दबाव के चलते युवती ने ठगों के जाल में फंसकर पैसे भेजने शुरू कर दिए।9 जनवरी से 16 फरवरी के बीच, युवती ने अपने गूगल पे नंबर से अलग-अलग स्कैनर्स पर कुल 66 बार ऑनलाइन भुगतान किया।

पीएम श्री स्कूल उगाला में वार्षिक खेल उत्सव, खेल के मैदान में भी दिखाया दम

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखाई प्रतिभा

समारोह को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जोश दिखाई दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

पीएम श्री स्कूल उगाला में वार्षिक उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने शिरकत की, जबकि खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश मेहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय पहुंचने पर स्कूल प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्य राहुल सिंगला एवं स्टाफ सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने देशभक्ति, लोक संस्कृति, सामाजिक जागरूकता एवं शिक्षा के महत्व पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दी। नृत्य, समूहगान, नाटक एवं लघु प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं अनुशासन की सराहना करते हुए शिक्षकों के समर्पण की प्रशंसा की। समारोह के अंतर्गत वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। दौड़, कूद एवं अन्य खेल प्रतिस्पर्धाओं में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। वर्ष में एक बार आयोजित होने वाले इस समारोह को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जोश दिखाई दिया।

बराड़ा। कार्यक्रम में उपस्थित स्टूडेंट्स को संबोधित करते मुख्यातिथि।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शैक्षिक, सांस्कृतिक, गणित प्रतियोगिता, लीगल लिटरेसी, रोड सेफ्टी एवं खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर एवं कांस्य मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण का संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर पूर्व प्रधान संजीव कुमार, ग्राम उगाला के सरपंच प्रतिनिधि शेर सिंह राणा, ब्लॉक समिति प्रतिनिधि ब्रजेश शर्मा सहित शिक्षक भी मौजूद रहे।

छात्रों को बताई रेडियो प्रोडक्शन की बारीकियां

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में मास कम्यूनिकेशन विभाग की तरफ से रेडियो प्रोडक्शन पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी से डॉ. आबिद अली ने छात्रों को आवाज की दुनिया व रेडियो प्रोडक्शन की बारीकियों से अवगत करवाया। मुख्य वक्ता के कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा ने उनका स्वागत किया। उन्होंने वर्कशॉप के आयोजन के लिए मास कॉम विभाग को बधाई दी। डॉ आबिद अली ने छात्रों को बताया कि साइन एंड सिंबल से आगे बढ़कर जब इंसान ने आवाज पाई तो उसने इस आवाज के जादू को पहचाना। इसी से रेडियो तरंगों के आविष्कार के बाद रेडियो अस्तित्व में आया। उन्होंने छात्रों को रेडियो प्रोडक्शन के काम आने वाले विभिन्न उपकरण व सॉफ्टवेयर के बारे में भी बताया।

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

गजल / हबीब कैफी

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

कहते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

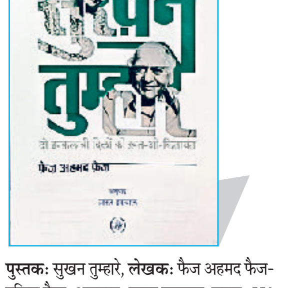

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, **लेखक:** फैज अहमद फैज-एलिस फैज, **अनुवाद:** जफर इकबाल, **मूल्य:** 550 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे-खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल

डुबकी

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

मध्य प्रदेश का प्राणपुर गांव

तमिलनाडु स्थित औरोविले गांव

वैसे तो पर्यटन के लिहाज से अपने भारत देश में अलग-अलग तरह के बेशुमार स्थल मौजूद हैं। लेकिन अगर आप बिल्कुल अनोखे और सुकून भरे पर्यटन स्थल घूमना चाहते हैं तो आपको कुछ विशिष्ट पर्यटन गांवों का रुख करना चाहिए। यहां बता रहे हैं देश के कुछ ऐसे खूबसूरत गांवों के बारे में, जो आपके लिए परफेक्ट ग्राम्य-पर्यटन स्थल हो सकते हैं।

गांवों में मिलेगी सुकून की छांव

टूरिस्ट प्लेसेस

समीर चौधरी

आमतौर पर माना जाता है कि गांवों में सुविधाओं की कमी होती है। इसीलिए शहर के लोग वहां जाना पसंद नहीं करते हैं। लेकिन आपको जानकर अच्छा लगेगा कि कुछ प्रदेशों के चुने हुए गांवों को विशिष्ट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। जहां आप आधुनिकता और शहरी शोर-शराबे से दूर शांत, स्वच्छ और सुकून भरा अनुभव पा सकते हैं। लद्दाख की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़ के जंगलों से लेकर, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश तक में कई ऐसे गांव हैं, जो विरासत और प्रकृति को सुरक्षित रखे हुए हैं। अपनी इसी विशेषता के कारण यह उन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिनकी ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति व इतिहास में दिलचस्पी होती है। ऐसे ही कुछ गांवों के बारे में जानिए।

सावरवानी-लाड़पुरा खास-प्राणपुर, मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के ये तीन गांव आपको ग्रामीण भारत की सुंदर छवियों से रूबरू कराते हैं। प्राणपुर, सावरवानी व लाड़पुरा खास गांवों को वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। सावरवानी, आपको गोंड आदिवासी जीवन का अनुभव कराता है। यहां आरामदायक होमस्टे और सुंदर फार्मलैंड्स हैं। लाड़पुरा आपको विश्वसनीय बुंदेली एहसास से आकर्षित करता है। यहां के परंपरागत घर व हाथ से पेंट की गईं खूबसूरत दीवारें पर्यटकों को मोहित करती हैं। प्राणपुर, भारत का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव है, जहां लगभग 900 बुनकर हैं, जो चंदेरी कपड़ा बुनने की कला में माहिर हैं। इन गांवों में आप क्राफ्ट वर्कशॉप्स, फॉरेस्ट वॉक, साइकिलिंग ट्रेल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव कर सकते हैं। ग्वालियर एयरपोर्ट से प्राणपुर 240 किमी. और लाड़पुरा खास 123 किमी. की दूरी पर है, जबकि जबलपुर से सावरवानी की दूरी 220 किमी. है।

उत्तर प्रदेश का कारिकोट गांव

तार गांव, लद्दाख: लद्दाख क्षेत्र में इस गांव को पहला सीसीए (कम्युनिटी-डिक्लेयर्ड कंजरवेशन एरिया) घोषित किया गया। लद्दाख का यह खूबसूरत गांव भी पर्यटन मंत्रालय की भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव की 2024 की सूची में शामिल हो चुका है। इसके संरक्षित क्षेत्र का प्रबंधन स्थानीय समितियां करती हैं, जोकि अपने प्राकृतिक संसाधनों, संस्कृति व परंपराओं को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाती हैं। इनके पास समुदाय की निगरानी वाला पर्यटन, शून्य-प्लास्टिक अभियान और लद्दाखी सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण का भी दायित्व है। यहां आप ऊंचाई पर ट्रैकिंग, प्राचीन मठों को देख सकते हैं और ईको-होमस्टे में ठहर सकते हैं। यहां आने के लिए निकटतम एयरपोर्ट लेह है, जहां से तार लगभग 85 किमी. के फासले पर है।

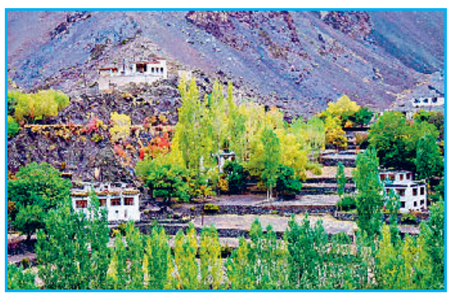

खूबसूरत वादियों के बीच स्थित लद्दाख का तार गांव

कारिकोट गांव, उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में स्थित कारिकोट गांव को इंडियन सब-कॉन्टिनेंट रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड 2025 (पीस, अंडरस्टैंडिंग एंड इन्क्लूसिविटी) से सम्मानित किया जा चुका है। स्थानीय थारू आदिवासी समुदाय के प्रयासों से इस गांव में होमस्टे, क्रॉस-बॉर्डर ईको-टूरिज्म व सांस्कृतिक अनुभव को प्रोत्साहित करने के साथ ही देशज क्राफ्ट, खान-पान व लोककला को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे यह गांव थारू विरासत का लाइव म्यूजियम बन गया है। आप यहां खासतौर से विलेज वॉक, स्थानीय खान-पान, हस्तकला ट्रेल, झील के किनारे पक्षियों को देखने के साथ ही स्थानीय कहानी सुनाने के आयोजनों का अनुभव कर सकते हैं। इससे निकटतम एयरपोर्ट लखनऊ है, जहां से यह गांव लगभग 200 किमी. दूर है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित धुडमारास गांव

औरोविले गांव, तमिलनाडु-पुडुचेरी: औरोविले गांव वैसे तो तमिलनाडु में है, लेकिन इसका कुछ हिस्सा पुडुचेरी में भी है। यह भारत में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय टाउनशिप है, जिसे यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसकी भूमि एक जमाने में कटाव के कारण बेकार हो गई थी, लेकिन अब दशकों के वनीकरण, ईको-आर्किटेक्चर और वेस्ट-फ्री सिस्टम से फिर हरी-भरी हो गई है। यहां पर आप मैत्री मंदिर देख सकते हैं। इसके अलावा सस्टेनेबल-लिविंग वर्कशॉप, पॉटरी, वीविंग और योग सत्र में हिस्सा लेने के साथ ही 3,000 एकड़ में फिर से लगाए गए वन में साइकिलिंग का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। औरोविले गांव चेन्नै एयरपोर्ट से लगभग 140 किमी. और पुडुचेरी से तकरीबन 11 किमी. की दूरी पर स्थित है।

धुडमारास गांव, छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में धुर्वा कबीले द्वारा संचालित यह पर्यटन गांव ईको-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है, जैसे- बैंबू राफ्टिंग, कयाकिंग और ट्रैकिंग। यहां सोलर-पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर है। वन संरक्षण प्रयासों के कारण परंपरागत जल स्रोतों को दुरुस्त किया गया है और स्थानीय तौर पर निर्मित होम स्टे भी हैं। इस गांव में आदिवासी संस्कृति, परंपरागत शिल्प व साल वन ट्रेल्स का आनंद लेने के साथ ही लोक संगीत और स्थानीय खेतों से मेज तक जायकेदार भोजन का अनुभव ले सकते हैं। सतत पर्यटन विकास के लिए धुडमारास गांव का चयन यूएनडब्लूटीओ बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम 2024 में किया गया था। यहां से निकटतम एयरपोर्ट जगदलपुर है, जहां से यह गांव लगभग 35 किमी. के फासले पर है। *

भय को जब करेंगे पराजित तब मिलेगी मनचाही सफलता

कई बार हमारे भीतर कुछ ऐसे डर समा जाते हैं, जो सफलता और खुशहाल जीवन की राह में बड़ी रुकावट बन जाते हैं। कौन से हैं ये डर और इनसे कैसे निपटा जाए, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जरूर जानना चाहिए।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

डर सफलता की राह में सबसे बड़ी अड़चन होती है। 'जो डर गया समझो मर गया', 'डर के आगे जीत है।' ये कुछ पॉपुलर कोटेशंस या फिल्मी डायलॉग हैं, जिन्हें आपने कहीं न कहीं पढ़ा या सुना होगा। सवाल है कि आखिर ये कौन से डर हैं, जिनसे उबरना जरूरी है और इनसे कैसे उबरें, ताकि आप सफल, समृद्ध जीवन की ओर बढ़ सकें।

पैसे न होने का डर: अमीर हो या मध्य वर्ग के लोग, पैसों की कमी होने से सब डरते हैं। मध्य और निम्न वर्ग को और ज्यादा गरीब होने का डर सताता है। पैसे की कमी का डर व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं, जोखिम लेने की क्षमता और हिम्मत को खत्म कर देता है। सबसे पहले निर्णय की शक्ति का उपयोग करके इस डर को दूर करें। अपनी चेतना को हमेशा धन की कमी से हटाकर धन की अधिकता पर केंद्रित करें। धन कमाने के तरीकों के बारे में सोचें, न कि गरीबी के परिणामों के बारे में। अपनी आय बढ़ाने का एक स्पष्ट और लिखित लक्ष्य और योजना बनाएं। जब आपके पास काम करने की एक ठोस योजना होती है, तो डर की जगह आत्मविश्वास ले लेता है। हमेशा यह सोचें कि आपकी आंतरिक खुशी भौतिक संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही पूरी मेहनत से धन कमाने के अपने प्रयास जारी रखें।

आलोचना का डर: यह डर अकसर लोगों को नए विचार आजमाने, जोखिम लेने या अपने सपनों का पीछा करने से रोकता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे या कहेंगे? इस डर को दूर करने का आसान तरीका यही है कि दूसरों की राय की परवाह न करें। लोग अकसर आपकी आलोचना इसलिए करते हैं, क्योंकि या तो वे खुद डरे हुए होते हैं या फिर आपसे ईर्ष्या करते हैं। अपने कार्यों और निर्णयों के लिए खुद को जवाबदेह बनाएं। आत्म-अनुशासन आपको बाहरी आलोचनाओं से प्रभावित हुए बिना अपने लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है। आलोचना का डर आपकी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को खत्म कर देता है। इसलिए खुद को रचनात्मक कार्यों में लगाएं।

बीमारी-मृत्यु का डर: यह डर अकसर किसी क्रॉनिक बीमारी या नियमित शारीरिक दर्द से उत्पन्न होता है। कई बार किसी नजदीकी की बीमारी देखकर भी ऐसा होता है। यह डर अकसर मानसिक तनाव पैदा करता है। इसे दूर करने के लिए बीमारी के बारे में लगातार सोचना या बात करना बंद करें। अपने मन को सकारात्मक और स्वस्थ विचारों से भरें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाएं। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी दिमागी शक्ति का उपयोग करें। यह विश्वास करें कि एक स्वस्थ दिमाग एक स्वस्थ शरीर का निर्माण करता है। अपनी मानसिक ऊर्जा को ठीक होने या स्वस्थ रहने में लगाएं, न कि बीमार पड़ने के डर में।

रिश्ते खोने का डर: यह डर किसी प्रियजन, जीवनसाथी या परिवार के सदस्य से बिछड़ने या उन्हें खोने के भय से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए आत्म-प्रेम और आत्मविश्वास बढ़ाएं। जब आप खुद से प्यार करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं, तो आप दूसरों पर भावनात्मक निर्भरता कम कर देते हैं। ईर्ष्या इस डर का सबसे बड़ा संकेत है। तर्कसंगत रूप से अपनी असुरक्षाओं को पहचानें और उन्हें तर्क से दूर करें। यह समझें कि आप किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। रिश्ते विश्वास और आपसी सम्मान पर टिके होते हैं, डर पर नहीं।

बुढ़ापे का डर: यह डर अकसर उम्र बढ़ने के साथ आने वाली शारीरिक कमजोरी, शारीरिक आकर्षण में कमी, आर्थिक अभाव और मृत्यु की संभावना से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए बुढ़ापे को अनुभव और ज्ञान के रूप में देखें। उम्र बढ़ने को कमजोरी के रूप में नहीं, बुद्धिमत्ता के संचय के रूप में स्वीकार करें। शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रहकर इस डर का मुकाबला करें। नए कौशल सीखें और जीवन में उत्साह बनाए रखें। अपनी आर्थिक सुरक्षा शुरू से ही सुनिश्चित करें। वित्तीय योजना बनाकर बुढ़ापे में संभावित गरीबी के डर को कम करें।

इनमें से कोई डर हो या कोई अन्य प्रकार का डर, सभी डरों को दूर करने का मूल मंत्र 'इच्छाशक्ति' और 'सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण' है। इन दो मूल मंत्रों को अपनाकर आप भयमुक्त खुशहाल जीवन जी सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम और महानतम नदियों- गंगा, नर्मदा की तरह ही ताप्ती नदी का भी भारतीय संस्कृति, भूगोल एवं अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। ताप्ती नदी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आप इस नदी की महत्ता को और भी अच्छे से जान-समझ पाएंगे।

गंगा-नर्मदा जैसी महत्वपूर्ण पश्चिमवाहिनी ताप्ती नदी

नदी गाथा / वीना गौतम

ताप्ती जिसे तापी नदी भी कहते हैं, भारत की उन चुनिंदा बड़ी पश्चिम वाहिनी नदियों में से है, जो मध्य भारत से निकलकर अरब सागर में गिरती है। यह विशेषता इसे गंगा जैसी विशाल पूर्व वाहिनी नदी और नर्मदा जैसी महान पश्चिम वाहिनी नदी के समकक्ष बनाती है। भौगोलिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक स्तरों पर इस नदी की भूमिका अत्यंत व्यापक है।

उद्गम-प्रवाह: ताप्ती नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बेतूल जिले के पास सतपुड़ा पर्वतमाला में है। यहां से लगभग 724 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात से गुजरती यह नदी अंततः अरब सागर में जा मिलती है। यह पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इस नदी की सहायक नदियां इसकी जलराशि को संपन्नता प्रदान करती हैं। ताप्ती की सहायक नदियों में पूर्णा, गिर्णा, वाघुर और अंजली जैसी नदियां शामिल हैं। ताप्ती को गंगा और नर्मदा के समकक्ष महत्वपूर्ण नदी इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह भी इन्हीं की तरह विशाल नदी घाटी प्रणाली बनाती है। ताप्ती नदी का जलभरण क्षेत्र लगभग 65 हजार वर्ग किलोमीटर है।

ताप्ती नदी के तट पर स्थित मंदिर

जहां तक इसके बहाव की गति की बात है, तो शुष्क मौसम में इसका बहाव 0.3 से 0.6 मीटर प्रतिसेकेंड होता है, जबकि मानसून के दौरान ताप्ती नदी का बहाव 1.5 से 3 मीटर प्रति सेकेंड तक पहुंच जाता है। ताप्ती का औसत वार्षिक प्रवाह 17 से 18 बिलियन घन मीटर आंका गया है। इसका अधिकांश भाग जून से सितंबर यानी मानसून के दौरान प्राप्त होता है। ताप्ती नदी की वर्षा पर निर्भरता करीब 75 फीसदी है और शेष 25 फीसदी जलराशि इसके भूजल, पुनर्भरण और सहायक नदियों के जरिए प्राप्त होता है।

संस्कृति की वाहक: जिस तरह गंगा नदी-घाटी में प्राचीन सभ्यताएं विकसित हुईं, वैसे ही ताप्ती घाटी में भी आदिवासी समाज, कृषि संस्कृतियां और व्यापारिक नगर विकसित हुए। गंगा और नर्मदा की तरह ताप्ती को भी अनेक स्थानों में पवित्र नदी का दर्जा प्राप्त है और इसके किनारे मेले और पवित्र स्नानों से संबंधित पर्व आयोजित किए जाते हैं। देश की दूसरी पवित्र नदियों की तरह ताप्ती के तट पर भी अनेक महत्वपूर्ण मंदिर स्थित हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान: चूंकि ताप्ती पश्चिम वाहिनी नदी है, इसलिए इसमें ढाल अपेक्षाकृत ज्यादा है। यही कारण है कि इसका प्रवाह पूर्वगामी नदियों के मुकाबले ज्यादा है, जिससे जल विद्युत उत्पादन के लिए ताप्ती महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है। इसके पानी का उपयोग सिंचाई के लिए, पेयजल के रूप में, औद्योगिक उपयोग हेतु तथा विद्युत उत्पादन आदि में किया जाता है। ताप्ती नदी की मिट्टी जलोढ़ है, जो अत्यंत उपजाऊ होती है। इस कारण इसके परिक्षेत्र में दोहरी फसल प्रणाली सहजता से संभव है और किसान अपेक्षाकृत कम सिंचाई लागत में खेती कर पाते हैं। ताप्ती बेसिन एक स्वतंत्र और बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है, जो लाखों लोगों की कृषि, पेयजल और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह गुण ही इसे पश्चिम की नर्मदा और पूर्व की गंगा जैसी नदियों के समकक्ष बनाती है। ताप्ती घाटी कपास, सोयाबीन, गन्ना, केला और विभिन्न तरह की दालों की खेती के लिए जानी जाती है। गंगा की तरह ताप्ती नदी भी कृषि आधारित जीवनरेखा की भूमिका निभाती है। ताप्ती नदी कृषि एवं ग्रामीण रोजगार का भी बड़ा आधार बनाती है।

ताप्ती नदी के किनारे स्थित शहर विशेष रूप से कपड़ा, रसायन, हीरा कटाई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे लाखों रोजगार और शहरी विकास को बल मिलता है। इसी नदी के किनारे सूरत जैसा औद्योगिक और व्यापारिक शहर स्थित है।

समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र: ताप्ती नदी में मीठे पानी की अनेक महत्वपूर्ण प्रजातियों की मछलियां पाई जाती हैं, जिनमें रोहू, कतला और मृगल शामिल हैं। सतपुड़ा क्षेत्र से गुजरते समय यह नदी कई वन क्षेत्रों को सिंचित करती है, जिससे वन क्षेत्रों का पारिस्थितिकी तंत्र गतिशील रहता है। ताप्ती नदी के डेल्टा क्षेत्र में पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं और प्रवासी पक्षियों का भी यह आश्रय स्थल बनती है। ताप्ती बेसिन में नदी का पानी आस-पास के जलस्रोतों को भरता है, जिससे कुओं, नलकूपों आदि में पूरे साल जल उपलब्ध रहता है।

मौजूद हैं कई संकट: देश की अन्य बड़ी नदियों की तरह ताप्ती भी कई तरह की औद्योगिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। यह भी औद्योगिक प्रदूषण से ग्रस्त है। इस नदी में भी बड़े पैमाने पर शहरी अपशिष्ट आकर मिलता है तथा इसके आस-पास में भी अवैध रेत खनन आदि की घटनाएं होती रहती हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हाल के कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन और वर्षा की अनिश्चितता की भी यह नदी शिकार हुई है। यही नहीं इस सबके चलते ताप्ती नदी की गुणवत्ता और जैव विविधता दोनों प्रभावित हुई है। ताप्ती नदी पर मंडरा रहे इन संकटों के मद्देनजर इसके संरक्षण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। जैसे अपशिष्ट जलशोधन संयंत्र, नदी किनारे हरित पट्टी का विकास, सामुदायिक जागरुकता और सतत जल प्रबंधन। *

पिछले महीने से सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर एक नया शो शुरू हुआ है- 'व्हील ऑफ फॉर्चून', जिसे होस्ट कर रहे हैं अक्षय कुमार। इस शो को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इस शो, अपकमिंग फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े सवालों पर अक्षय कुमार ने खुलकर जवाब दिए हैं इस खास मुलाकात में।

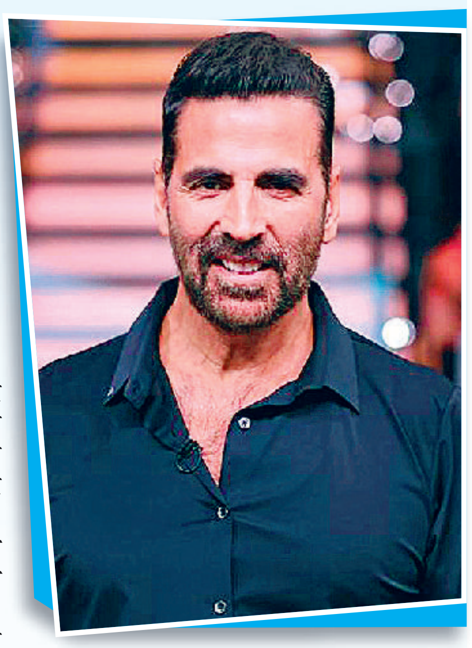

जो आपकी तकदीर में है वह जरूर आपके पास आएगा: अक्षय कुमार

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

हाल में ही अक्षय कुमार टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक ऐसा रियालिटी शो लेकर आए हैं, जो पहले से ही 60 देशों में पॉपुलर हो चुका है। यह अमेरिका का नंबर वन रियालिटी शो है। इस शो का नाम 'व्हील ऑफ फॉर्चून' है। गेम का पूरा फॉर्मेट अक्षय कुमार खुद बतौर होस्ट इस शो की शुरुआत में समझाते हैं, साथ ही मजाकिया अंदाज में सबको हंसाते नजर आते हैं। इस शो के अलावा अक्षय की फिल्म 'हैवान' रिलीज होने वाली है, जबकि एक और फिल्म 'भूत बंगला' अप्रैल में रिलीज होगी। दोनों ही फिल्मों को प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है। अक्षय का अपने इस शो और आने वाली फिल्मों को लेकर क्या कहना है? और भी पर्सनल सवालों के जवाब अक्षय कुमार ने एक मुलाकात में बेबाक अंदाज में दिए। पेश है अक्षय कुमार से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आप इन दिनों सोनी एंटरटेनमेंट चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्चून' को होस्ट कर रहे हैं। इस गेम शो को होस्ट करने के पीछे खास वजह क्या है?

मुझे यह शो बहुत ही दिलचस्प लगा, क्योंकि इसमें पार्टिसिपेंट्स को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का मौका मिलता है। बहुत ज्यादा दिमाग नहीं लगाना है। अगर तकदीर ने साथ दिया तो कंटेस्टेंट्स, कुछ मिनटों में लाखों रुपए और कई अच्छे और महंगे गिफ्ट जीत सकते हैं। इस शो का फॉर्मेट सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पॉपुलर है। पर्सनली मुझे भी इस शो में कई सारी खूबियां नजर आईं, इसलिए मैंने बतौर होस्ट यह शो करना स्वीकार किया।

अमिताभ बच्चन ने टीवी पर 'कौन बनेगा करोड़पति' और सलमान खान ने 'बिग बॉस' जैसे सुपरहिट शो के कई सीजंस सफलतापूर्वक होस्ट किए हैं। ऐसे में क्या आपको इन दोनों कलाकारों से कंपैरिजन का भी प्रेशर है?

नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। मैं इस मामले में बहुत पॉजिटिव हूं। मुझे कुछ करना है तो मैं करता हूं, नेगेटिव बातें सोच कर अपने आप को कमजोर नहीं बनाता। मुझे 'व्हील ऑफ फॉर्चून' का कॉन्सेप्ट दिलचस्प लगा तो मैंने शो होस्ट करना मंजूर कर लिया। जहां तक अमित जी और सलमान का सवाल है तो अमित जी मेरे लिए फादर फिगर हैं, सलमान मेरा अच्छा दोस्त है। दोनों ही लोग अपना काम बहुत अच्छे से कर रहे हैं। मेरा उनके साथ कोई कॉम्पिटिशन नहीं है। मैं इस शो को एंज्वॉय कर रहा हूं।

अगर 'व्हील ऑफ फॉर्चून' में आप होस्ट की जगह पार्टिसिपेंट होते तो आप दिमाग से खेलते या नसीब के भरोसे गेम को आगे बढ़ाते?

यह शो दिमाग से ज्यादा तकदीर के साथ खेला जा सकता है। शो में दिमाग सिर्फ इतना ही लड़ा सकते हैं कि गेम के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब सोच-समझ कर दें, बाकी जब व्हील घूमता है तो जीरो पर भी रुक सकता है और एक करोड़ पर भी। मैंने इस शो में कई लोगों को लाखों रुपए जीतते हुए देखा है। सो अगर मैं कंटेस्टेंट होता तो मुझे भी सही जवाब देना पड़ता, बाकी किस्मत कितना साथ देती है, वह तो अपने हाथ में नहीं होता है।

'व्हील ऑफ फॉर्चून' में अक्षय कुमार का निराला अंदाज

अपने इस शो में क्या आप किसी खास बॉलीवुड एक्टर को बुलाना चाहेंगे?

अगर बॉलीवुड एक्टर को अपने शो में बुलाने की बात करें तो मैं सलमान, शाहरुख, विद्या बालन, सुनील शेट्टी, संजय दत्त इन सभी को अपने शो में बुलाना चाहूंगा।

आप तकदीर पर ज्यादा विश्वास करते हैं या मेहनत पर?

मेरा मानना है अगर आपकी तकदीर में कुछ नहीं है तो आप लाख कोशिश कर लो वह नहीं मिलेगा और अगर तकदीर में कुछ है तो आप वो पा ही लेंगे। मैं जब छोटा था तो अपने पापा के कंधों पर चढ़कर राजेश खन्ना साहब की शूटिंग और उनका बंगला देखने जाया करता था, मुझे क्या पता था कि एक दिन मेरी उनकी बेटी से ही शादी हो जाएगी। इसलिए मेरा मानना है कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है। जो आपकी तकदीर में लिखा है, वह जरूर आपके पास आएगा।

बीते कुछ समय में आपकी कई फिल्में असफल रहीं। क्या फ्लॉप फिल्मों ने आपको निराश किया?

फ्लॉप फिल्में कुछ समय के लिए दुःखी जरूर कर देती हैं, लेकिन जिंदगी में कभी मैं निराश नहीं होता हूं। करियर की शुरुआत में मैंने 12 से 15 फिल्में एक साथ फ्लॉप दी थीं। लेकिन बाद में तकदीर ने पलटा खाया और मेरी कई फिल्में हिट हो गईं, जैसे 'खिलाड़ी', 'मोहरा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' एक्सेक्ट्रा। मेरा मकसद अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करना है। फिर फिल्म फ्लॉप होती है या हिट, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

आने वाली फिल्म 'हैवान' में आप नेगेटिव रोल कर रहे हैं, क्या यह आपकी हीरो वाली इमेज को नुकसान पहुंचा सकता है?

मेरे ख्याल में ऐसा होगा नहीं, क्योंकि दर्शक भी अपने हीरो को हर तरह के किरदार में देखना चाहते हैं। 'हैवान' में मैं एक बार फिर नेगेटिव रोल कर रहा हूं। मुझे ऐसा लगता है कि दर्शक मुझे इस फिल्म के किरदार में भी बतौर एक्टर खूब पसंद करेंगे। *

पैसों से ज्यादा महत्वपूर्ण प्यार और रिश्ते

अक्षय कुमार के लिए लाइफ में पैसा ज्यादा महत्वपूर्ण है या प्यार, पूछने पर उनका जवाब होता है, 'मेरी नजर में लाइफ में पैसों से ज्यादा प्यार और रिश्तों की अहमियत है। मुझे अपनी बेटी के साथ वक्त बिताना बहुत अच्छा लगता है। खाली वक्त में मैं घर पर अपने परिवार के लिए खाना भी बनाता हूं। अगर आपके अपने आप के साथ हैं तो आप मेहनत करके पैसा कमा सकते हैं, लेकिन पैसों से आप रिश्ते या प्यार नहीं खरीद सकते हैं।'